PARIVARTAN
परिवर्तन

TAKSHILA
तक्षशिला

चहकने की ललक

अंक – चौबीस
अगस्त – नवंबर 2023

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों,

मैं हूं चहकने की ललक इस अंक 24 में बाल लेखकों ने मेरे लिए मेरे बारे में बहुत अच्छा लिखा है कि मुझसे मिलने के बाद इन बाल लेखको में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखको ने मुझे खुद बनाया तैयार किया है सर्वप्रथम 2014 में प्रकाशित किया गया था जिसमें मेरे बाल लेखको ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया इस दरमियां उन्हें बेहद खुशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचनाओं को लिखते रहे। आशा करती हूं कि आगे भी ऐसे ही अच्छा लिखे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है जहाँ बच्चें अपनी कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

आपका साथी मैं
चहकने की ललक

मिथिलेश, उम्र 10 धर्मपुर

रितिक कुमार
उम्र 9 साल
रुइयां

खुशबू कुमारी, उम्र 9 साल,
मिया भटकन

बारिश का मौसम

जब हमारे गांव में बारिश आता है तो हमारे घर के बगल में एक घर है वह घर थोड़ा टूट- फूट गया है और जब भी बारिश आती है तो उनका घर चुने लगता है और पानी टपकने लगता है वे लोग परेशान हो जाते हैं और जहां से पानी टपकता है वहां बाल्टी या कटोरा रखकर अपना दिन गुजारते हैं।

अंशु सिंह, गांव बडहुलिया, उम्र 13 साल

रागिनी कुमारी
उम्र 12 साल,
नारायणपुर

हमारा देश

हमारा देश 1947 को आजाद हुआ था हमारे देश का नाम भारत है। हम सब मिलकर एक साथ भारत में रहते हैं और हर त्योहार एक साथ मनाते हैं हमारे भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई रहते हैं। हमारे भारत में सबसे पहले लाल किला पर झंडा फहराता है। भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। भारत में वर्तमान में 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं हमारे भारत की राजधानी नई दिल्ली है। भारत में अभी G20 हुआ था। जिसमें भारत में कई पड़ोसी देश के प्रधानमंत्री आए थे।

**नाम धर्मवीर भगत,
स्कूल जीएमएस बलिया,
कक्षाः 8**

खुले से प्रश्न

-अगर आम के पेड़ पर जामुन फरने लगे तो क्या होगा?
-भगवान के जैसे आदमी का 10 हाथ होता तो क्या होता?
-नारियल के पेड़ पर मछली फरने लगे तो क्या होता?
-अगर नदी में पानी के जगह दूध बहने लगे तो क्या होता?
-अगर रात के समय सूर्य निकलते तो क्या होता?

**प्रिया कुमारी
गांव नारायणपुर
उम्र 10 साल**

राधा कुमारी
उम्र 12 साल
मियाँ के भटकन

पिंकी कुमारी, क्लास 5,
मियाँ के भटकन

आगामी थीम

- प्रिय खेल
- जाड़े का मौसम
- नया साल - समारोह
- सर्कस

अनामिका शर्मा, क्लास 8, बडहुलिया,

पहेलियां

1. बिना सड़क के चलते हैं
   बहुत कड़क के चलते हैं।
   रुही के गुच्छे से बड़े-बड़े
   जिसमे रखे कई घड़े।
2. क्या है जिसके दांत तो होते हैं
   लेकिन वह कटती नहीं है
3. ऐसा क्या है जिसे बिना छुए
   तोड़ा जा सकता है
4. रिश्ता इनका इतना गहरा एक
   जाए तो दूजा रहे ठहरा
5. क्या है जो अंधेरा बढ़ाने पर
   ज्यादा अच्छे से दिखते हैं

उत्तर 1-बादल, 2-कंघी, 3-दिन-रात,
4-खामोशी, 5-तारे

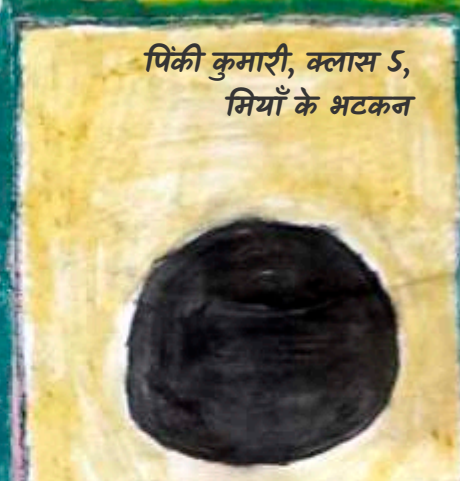

खुशबू कुमारी, उम्र 12, बाबु के भटकन

आपबीती

मैं और मेरा परिवार मेरी मम्मी, पापा और मेरा भाई और हम लोग जिस रुम में रुके थे वह रुम के अंकल और उनकी पत्नी हम लोग के साथ ही थे हम लोग उत्तराखंड के गिरजा पहाड़ी पर घूमने गए थे। हम लोग मंदिर में भगवान के दर्शन किए और वहां पर मेला घूमे और होटल में कुछ देर ठहरने के बाद जब हम लोग पुल पार कर रहे थे तब मुझे लगा कि कोई मुझे धक्का दे रहा है और मैं पूल के नीचे बहती नदी में गिर गई मैं पत्थरों के बीच में फंसी हुई थी मुझे होश आया नहीं था और मुझे घुटने में बहुत चोट आई थी तभी रुम अंकल की नजर मुझ पर पड़ी उन्होंने मुझे पत्थरों में से निकाला और मैं रुम पर पहुंची मैंने दवा लिया। मुझे आज भी उत्तराखंड की यात्रा याद है

**नाम साक्षी कुमारी,
गांव बाबू भटकन, कक्षाः 8**

गांव का पोखर

हमारे गांव से बहुत दूरी पर एक पोखर है। वहां मैं कभी-कभी घूमने भी जाती हूं वहां जाने में भी कभी डर लगता है। वहां पर हमारा खेत भी है। कोई-कोई लोग कभी कहता है कि वहां पर भूत भी रहता है और वहां पर बहुत सारे पेड़ भी है और उसमें बहुत सारी मछली भी रहती है और हम लोग मछली को खाने के लिए दाने भी ले जाते हैं वहां पर काली माता का पूजा भी होता है और छठ पूजा भी होता है जब ज्यादा लोग के साथ वहां जाते हैं तो बहुत ही अच्छा लगता है।

खुशी कुमारी, मियां के भटकन, कक्षा 5

चुलबुली कुमारी
क्लास 8, बडहुलिया

दोस्तों के चुटकुले

चिंटू - भाई बीवी के मेकअप का खर्चा बर्दाश्त नहीं होता।
मिंटू - हां तो बंद कर दे।
चिंटू - लेकिन फिर मेकअप के बिना बीवी बर्दाश्त नहीं होती।

टीचर बच्चों को ज्ञान का पाठ पढ़ाते हुए।
बताओ क्लास में लड़ाई क्यों नहीं करनी चाहिए
गोलू - सर पता नहीं परीक्षा में किसको पीछे बैठना पड़ जाए...

नाम वर्षा कुमारी
गांव नाराणपुर
उम्र 12 साल

रूबी कुमारी, क्लास 8, मियाँ के भटकन

पुनीत कुमार, उम्र 9 साल, नाराणपुर

सावन का महीना

सावन का महीना में बहुत बारिश होता है। बारिश में शंकर भगवान का पूजा होता है। सावन में आम पकता है। सावन का महीना बहुत अच्छा लगता है। इस साल सावन 2 महीने का था सावन में मीट मछली नहीं बनता है। मम्मी सावन के दो दिन पहले ही कहती है कि मीट, मछली, अंडा नहीं खाना है इसलिए सावन में मीट मछली नहीं खाया जाता है क्योंकि शंकर भगवान का पूजा होता है। जहां देखो वहां हरियाली ही दिखती है रिमझिम बारिश होता है और मुझे बहुत ही अच्छा लगता है।

नाम बेबी कुमारी,
गांव मियां के भटकन, उम्र 10 साल

अभय कुमार, गांव मियां के भटकन, उम्र 10

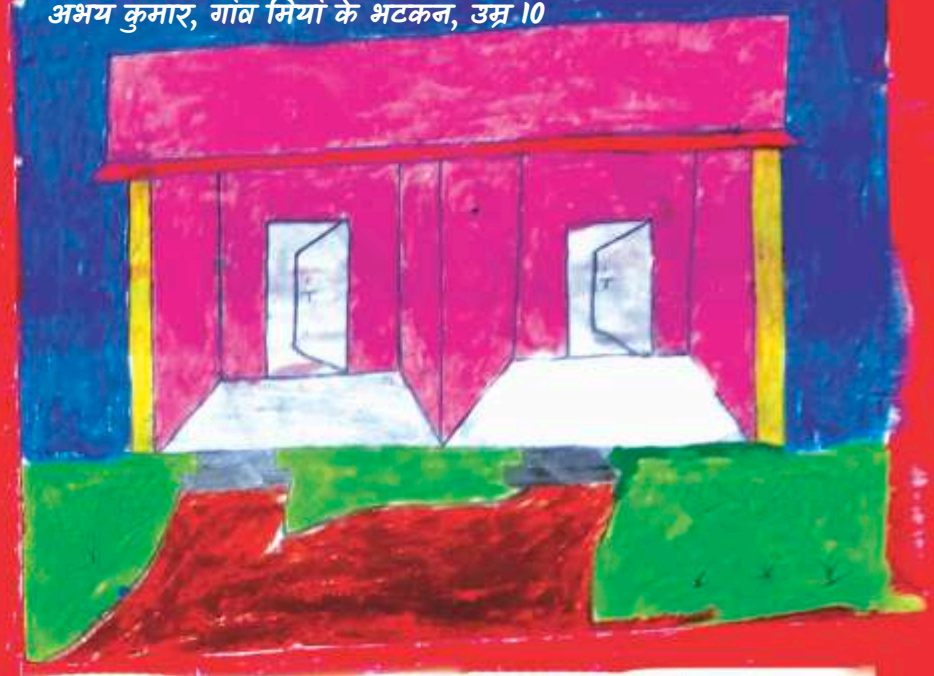

विद्यालय का चित्र
प्रिंस साह, क्लास 8

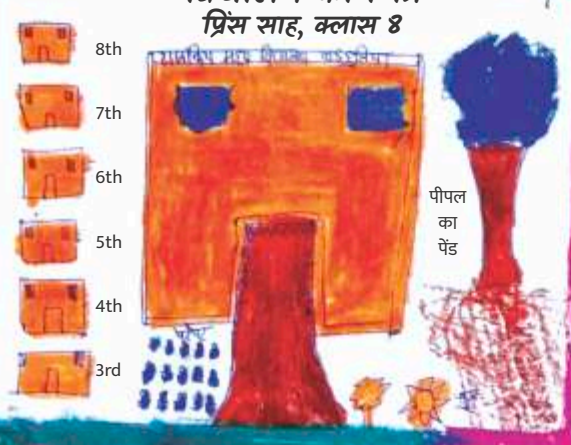

रागिनी कुमारी,
मियाँ के भटकन

गांव का पोखर

हमारे गांव में पोखरा है। और पोखरा में पानी है घर से कुछ दूरी पर पोखरा है। इसमें मछली है हम मछली को पकड़ते हैं क्योंकि मुझे पोखरा अच्छा लगता है और हम पोखरा में तैरने जाते हैं। पोखरा बड़ा है हम पोखरा में नहाते हैं। जब हमारे गांव में दुर्गा पूजा या सरस्वती पूजा आता है तो इसी पोखर के अंदर भासाया जाता है। हमारे गांव में जब छठ पूजा आता है तो हमारे घर के लोग और गांव के लोग उसी में अरघ देते हैं।

पूजा कुमारी, उम्र 12 साल, सिकीया

आशु कुमारी, उम्र 11 साल, सिकिया

मेरा विद्यालय

मेरे विद्यालय का नाम राजकीय मध्य विद्यालय बडहुलिया है। मेरा बहुत बड़ा स्कूल है बहुत अच्छा पढ़ाई होता है और एक किचन है चार तरह का खाना बनता है। 400 विद्यार्थी पढ़ते हैं और हमारे विद्यालय की प्रिंसिपल सुस्मिता मैम है। हमारे स्कूल में 8 शिक्षक हैं और हमारे विद्यालय में तरह-तरह के पौधे हैं। 13 रुम है एक आंगनबाड़ी, एक पुस्तकालय, एक ऑफिस है, एक विज्ञानशाला। हमें बहुत अच्छा लगता है की अच्छे शिक्षक है जो हमें विद्यार्थी की तरह ही नहीं अपना बच्चा भी मानते हैं। हमें अपने विद्यालय में विज्ञान पढ़ना अच्छा लगता है

नाम सुधीर कुमार,
स्कूल GMS बडहुलिया, वर्ग 8

खुश्बू कुमारी, उम्र 11 साल, सिकिया

रौनक रजा, उम्र 9 साल,
मियाँ के भटकन

शिक्षकों की कलम से

कहानी सुनाना-सीखने की सबसे पुरानी और शक्तिशाली विधि है। दुनिया भर की संस्कृति ने हमेशा से ही विश्वास और साध्य भविष्य की पीढ़ी तक के लिए चित्रों का उपयोग किया जाता है। कहानियाँ कल्पनाशीलता को बढ़ाती हैं। कहानी देखना और सुनने वाले के बीच समझ स्थापित करने के लिए पूल का काम करता है और बहुसांस्कृतिक समाज में अस्थिरता के लिए समान आधार तैयार करता है। रोचक कहानियां समुदाय एवं विद्यालय के बच्चों को किताबों से जोड़ने का सबसे बड़ा साधन है।

पूजा कुमारी, पुस्तकालय परिवर्तन